GRIZZLY
COLLEGE OF EDUCATION
Recognised by ERC, NCTE, Bhubaneswar,
Affiliated to VBU Hazaribag & JAC Ranchi

प्रतिकृति

Bulletin ISSUE May-Aug - 2018

From the Directors' Desk

हमें प्रसन्नता है कि प्राचार्या के कुशल निर्देशन और भगीरथ प्रयास से कॉलेज का उत्तरोत्तर सर्वांगीण विकास हो रहा है। अनवरत श्रम, पूर्ण समर्पण, अद्भूत धैर्य, प्रशासनिक कलेवर, अतुलनीय सहनशीलता और अनुशासन की कठोर आँच में तपकर कॉलेज के विकास के लिए अहम् निर्णय – यही आपकी श्रेष्ठता है। विकास के पथ पर कॉलेज अनवरत गतिशील रहे – इन्हीं शब्दों के साथ मेधावी, उत्साही और बहुमुखी प्रतिभा के धनी टीम के सदस्यों और प्रशिक्षुओं को हम अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ व्यक्त करते हैं।

मनीष कपसिमे

अविनाश सेठ

Dr. Sanjeeta Kumari
Principal

From Principal's Desk

प्रस्तुत प्रेरक पत्रिका प्रतिकृति को प्रकाशित करते हुए हमें काफी प्रसन्नता हो रही है। इस पत्रिका के माध्यम से हमने विगत चार महीनों में महाविद्यालय में किए गए शैक्षणिक गतिविधियों, अनेक प्रयोगों और विशिष्ट कार्यक्रमों को पाठकों तक पहुँचाने का सुगम प्रयास किया है। यह पत्रिका उन पाठकों की आँखें खोल देगी जो शिखर पर तो पहुँचना चाहते हैं परन्तु यात्रा का नक्शा नहीं खोज पाते। इसी परिप्रेक्ष्य में एक मई को आज के संक्रमण काल में बौद्ध दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता, सात मई को नोवेल पुरस्कार से पुरस्कृत रवीन्द्र नाथ टैगोर की पावन जयन्ती के अवसर पर निबन्ध प्रतियोगिता, दस मई को बी0एड0 प्रशिक्षुओं के मध्य बुद्धि क्षमता जाँच परीक्षण, 14–19 मई के दौरान गोद लिए हुए उपेक्षित गाँव इन्दरवाटांड की बालिकाओं के उज्जवल भविष्य के लिए वृहद छः दिवसीय समर कैम्प का आयोजन, 21 जून को योग एक परिस्कृत जीवन शैली का नाम है के आलोक में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन, 18 जुलाई को कॉलेज के सचिव महोदय द्वारा पुरस्कार वितरण, एक से पन्द्रह अगस्त तक स्वच्छता पखवाड़ा का विशेष कार्यक्रम, 6 से 8 अगस्त तक भावी जीवन की तैयारी पर आधारित स्वयं को पहचानें विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन और 15 अगस्त को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किए गए। मैं कॉलेज के दूरदर्शी निदेशक महोदय की आभारी हूँ जिन्होंने टीम के सदस्यों और प्रशिक्षुओं की कार्यशैली और कौशल की सराहना करते हुए मुझे प्रोत्साहित किया है। मैं अपनी ओर से टीम के सदस्यों और प्रशिक्षुओं को ढ़ेर सारी शुभकामनाएँ व्यक्त करती हूँ।

Dr. Sanjeeta Kumari
Chief Editor

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Activities of the Month May, June, July & Aug' 2018

6 - Day Summer Camp for the Children of Inderwatand

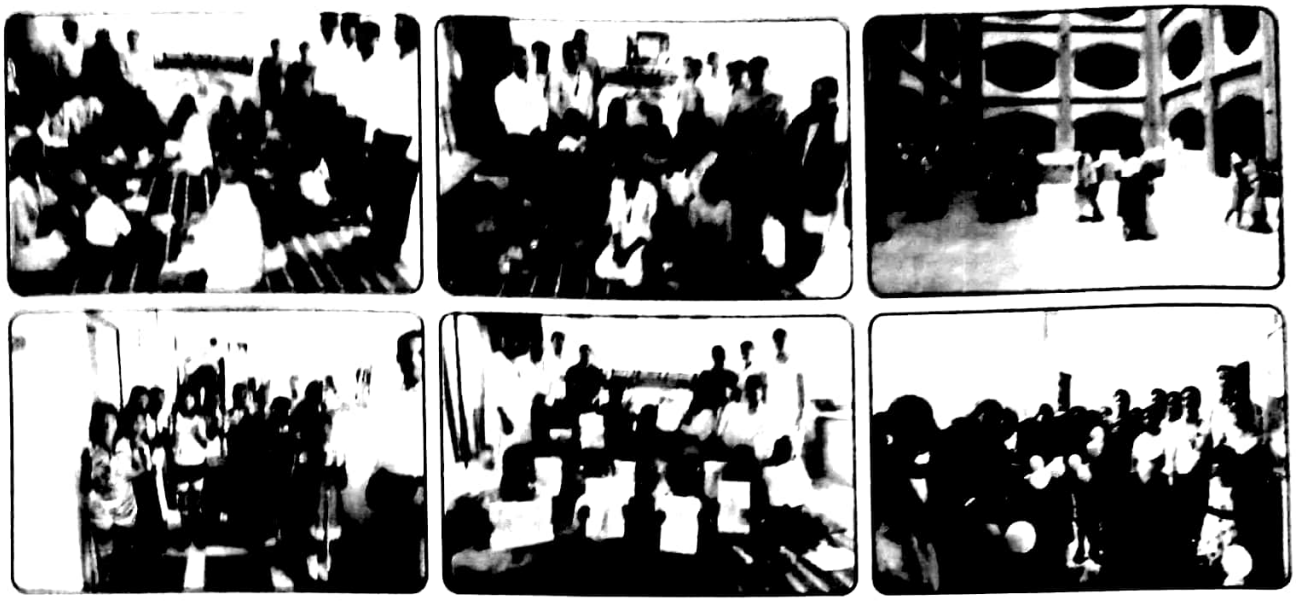

International Yoga Day

Prize Distribution Ceremony

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Independence Day Celebration

Swachhata Pakhwara

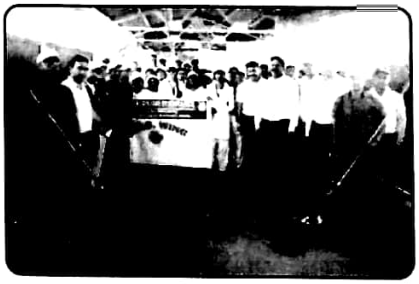

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

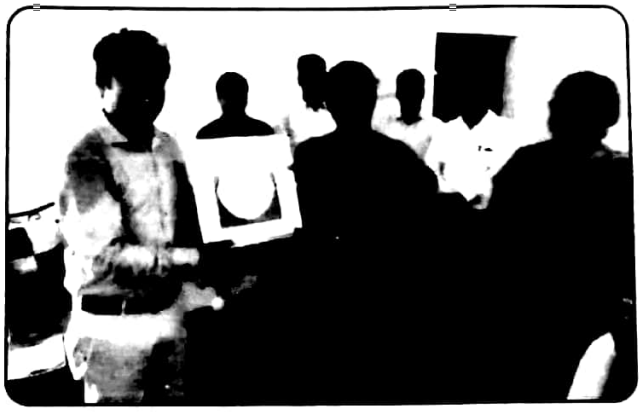

आप क्यों पढ़ लिख रहे हैं ?

क्या आप जानते हैं कि आपको शिक्षा क्यों दी जा रही है और शिक्षा का क्या अर्थ है ? अभी तो हमारी समझ में शिक्षा का अर्थ है स्कूल जाना, पढ़ना, लिखना, सीखना, परीक्षाएँ पास करना। कोई नौकरी पा जाना, और फिर जो सीखा, उसे भूल जाना। क्या इसे ही हम शिक्षा कहते हैं ? हाँ शिक्षा हमें यह जरूर सिखाती है कि अंग्रेजी कैसे बोली जाती हैं वह हमें थोड़ा चतुर, सलीकेदार, सुव्यवस्थित रहना सिखाती है। लेकिन जिसे हम जीना कहते हैं वह नौकरी पा लेने, परिवार का पालन–पोषण करने, समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं को पढ़ने, मसलों पर बढ़–चढ़कर बातें कर सकने और कुशलतापूर्वक वाद–विवाद कर सकने तक सीमित होता है। इसे शिक्षा कहते हैं, है न ? जबकि शिक्षा का अर्थ यह नहीं है कि यह आपको कोई नौकरी दिलाने में सहायक हो बल्कि यह कि इस दुनिया का सामना करने में वह आपकी मदद करे। संसार में हर व्यक्ति अच्छे से अच्छा रोजगार पाने के लिए प्रयत्न कर रहा है; और इसलिए हर व्यक्ति हर समय संघर्षरत है। क्या आप यह सब नहीं देखते हैं ? संघर्ष में अनेक समस्याएँ, जटिलताएँ और उलझनें है। तब शिक्षा का अर्थ क्या यह नहीं है कि वह इन सभी समस्याओं का सामना करने के लिए आपको समर्थ बनाएँ ? समस्याओं का ठीक ढ़ंग से सामना कर पाना, यही शिक्षा है, न कि मात्र कुछ परीक्षाएँ पास कर लेना, कुछ ऐसे विषयों की पढ़ाई कर लेना, जिनमें आपकी रूचि बिल्कुल नहीं है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

सम्यक शिक्षा वही है, जो इस जीवन का सामना करने में विद्यार्थी की मदद करे, ताकि वह जीवन से हार न मान ले, उसके बोझ से दब न जाए, जैसा कि हममें से अधिकांश लोगों के साथ होता है। शिक्षा ऐसी हो कि वह आपको इस संसार के दबाव को समझने के योग्य बनाए। इसे उचित अनुचित ठहराने के बजाय आप इसे समझें और इससे बाहर निकलें, आप आगे बढ़कर कुछ नया करने में सक्षम हो सकें और केवल परम्परागत ढ़ंग से ही विचार करते न रह जाएँ। यही वास्तविक शिक्षा है।

प्रो0 मोहित कुमार तिवारी
व्याख्याता
ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन

किताबें

किताबें करती हैं बातें, बीते जमाने की
दुनिया की, इन्सानों की
आज की, कल की, एक–एक पल की
खुशियों की, गमों की
फूलों की, बमों की, जीत की, हार की
प्यार की, मार की।

किताबें कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं
किताबों में चिड़ियाँ चहचहाती हैं
किताबों में खेतियाँ लहलहाती हैं

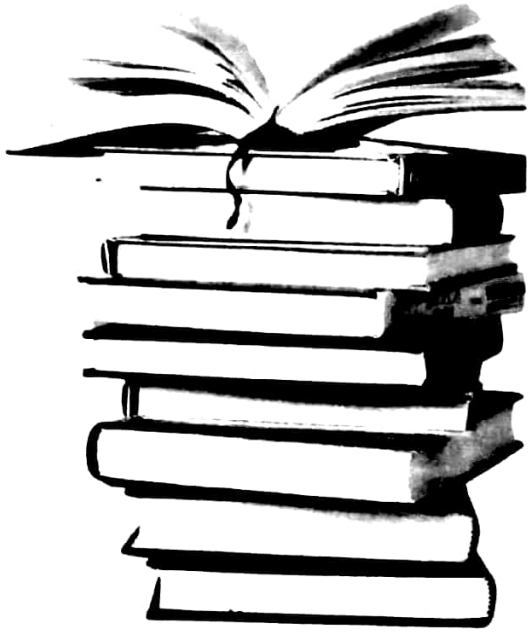

किताबों में झरने गुनगुनाते हैं
परियों के किस्से सुनाते हैं।
किताबों में रॉकेट का राज है
किताबों में साइंस की आवाज है
किताबों का कितना बड़ा संसार है,
किताबों में ज्ञान की भरमार है।

छोटी कुमारी
क्रमांक – 872

A Good Leader

A Leader leads by example. He does not just issue orders. He teaches others how to do things by first doing them himself. A good leader creates leaders, not followers. He takes good care of those whom he is leading. He delegates responsibility.

Pushpita Pandey
Roll No. - 869

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

एक बच्चे का सपना

अगर आप कोई सपना देखते हैं तो आपको अपने ऊपर पूरा यकीन होना चाहिए कि आप उसे पूरा कर सकते हैं। लोग आप पर शक करते हैं, क्यूंकि वो आपके आज को देखकर कल का अंदाजा लगाते हैं। आपके इरादे मजबूत हैं तो आप उन सब लोगों को गलत साबित कर सकते हैं। आज की कहानी भी एक ऐसे ही लड़के की है जिसने अपने से बड़े और समझदार माने जाने वाले लोगों को गलत साबित कर के दिखाया। एक शहर में एक छोटा लड़का रहता था। उसके पिताजी शहर के ही एक अमीर सेठ के घर पर काम करते थे। सेठ बहुत अमीर था और उसके पास एक से एक लक्जरी गाड़ियाँ थी। लड़का अपने पिता को दिन भर उन गाड़ियों की साफ–सफाई करते देखता और सोचता कि मेरे पिता जी इतनी मेहनत करते हैं फिर भी उन्हें वो मान–सम्मान नहीं मिलता जो लोग सेठ को देते हैं। बचपन सपना देखने की उम्र होती है और जवानी उसे सच करने की और ऐसे ही उस लड़के ने भी सपना देखना शुरू कर दिया कि एक दिन उसके पास भी इतनी ही दौलत होगी और गाड़ियों की एक लम्बी रेंज होगी, उसे भी वो मान–सम्मान मिलेगा जो उस सेठ को मिलता है। फिर एक दिन लड़के के स्कूल में उसके टीचर ने सभी बच्चों से एक लेख लिखने को कहा जिसमें उन्हें बताना था कि वो बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं, उस लड़के ने रात भर जागकर एक बहुत ही बेहतरीन लेख लिखा और साथ ही अपने सपने को उसमें पूरी तरह बताते हुए उसमें घर और गाड़ियों की फोटो भी बना दी। और अगले दिन अपने टीचर को अपना लेख दे दिया, शिक्षक ने सभी कापियाँ जाँचने के बाद रिजल्ट सुनाया तो लड़के को अजीब लगा क्योंकि उन्होंने उस लड़के द्वारा मेहनत से लिखे गये उस लेख को कोई मार्क्स नहीं दिए थे। और उस पर बड़े अक्षरों से फेल लिख दिया। जब लड़के ने टीचर से वजह पूछी तो टीचर ने कहा बेहतर होता तुम कोई छोटा–मोटा लेख लिखते क्योंकि तुमने जो लिखा है वो पूरी तरह असम्भव है, तुम लोगों के पास कुछ नहीं है इसलिए ऐसा सम्भव ही नहीं लेकिन फिर भी तुम चाहो तो इस लेख को दुबारा लिखो और कोई वास्तविक लक्ष्य बना लो, मैं तुम्हे दुबारा नम्बर देने के बारे में फिर से सोच सकता हूँ। लड़का उस कॉपी को लेकर घर गया और उस पर काफी सोचा लेकिन उसे पूरी रात नींद नहीं आई। अगले दिन वो टीचर के पास जाकर बोला आपको जो करना हो कर सकते हैं, लेकिन मेरा लेख यही है और मैं इसे नहीं बदलना चाहता। अगर आप मुझे फेल करना चाहते हैं तो कर दीजिये लेकिन मैं अपने सपने को नहीं बदलूँगा। बीस साल बाद वही टीचर एक सम्मेलन के मंच पर खड़े होकर एक बेहद कामयाब नौजवान के भाषण को बड़े गौर से सुन रहा था, भाषण खत्म होने के बाद नौजवान नीचे आया उसने टीचर के पैर छुए और उन्हें अपना परिचय दिया, ये वही छोटा लड़का था जिसे कभी टीचर ने फेल किया था आज वो एक कामयाब बिजनेसमैन बन चुका था जिसके पास हर वो चीज थी जो उसके बचपन में अपने लेख में लिखी थी। तो देखा आपने ये कोई जरूरी नहीं कि कोई आदमी जो आपसे बड़ा या आपसे समझदार हो आपके सही तरीके से जज कर सकता है, केवल आप खुद अपनी क्षमता को पहचानते हैं, इसलिए स्वामी विवेकानन्द की बात याद करो:–

"उठो, जागो और आगे बढ़ो, तब तक मत रूको जब तक अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर लेते।"

श्यामदेव यादव
क्रमांक – **806**

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

BELIEF

Whenever we get tough situation in our life, we start doubting ourselves that whether I can do it or not. We start losing belief in ourselves and this is the time we do mistakes. We underestimate the power of belief. Belief is the ultimate source of power, courage and patience. It gives us strength when everything is against us. If we believe ourselves we feel a new energy. It gives new power to carry on our effort, to chase our dreams to what we believe in. Belief controls results of our efforts because we don't give our 100% to the work in which we don't believe but if we believe in the certainty of the thing, we achieve the unexpected results. It was the belief of Abraham Lincoln which gave him the patience and strength to stand in the election for the 17th time after losing 16 times previously. The result of his belief is not hidden from the world that he became the president of the world's most powerful Country, the U.S.A.

It seems to be impossible to think of a girl to summit the world's highest peak Mount Everest with a single leg but it was only the belief of the girl, Arunima Singh in herself that made it possible. It looks illogical to win the struggle of freedom against the cruel english with non-violence but it was the belief of Indians in the power of truth and non-violence which made it possible and the rest is history.

So, Believe in yourself. You are not less than anybody else. You have the potential to achieve whatever you wish. The world is filled with the people who will doubt your abilities and will try to put you down whenever they get a chance. So, instead of giving them the opportunity have belief in yourself because you can do anything and everything.

Have belief and say.

I will do it.

Vikash Kumar
Roll No. - 811

Best House of The Month May'18 : **Rousseau House**
Best House of The Month June'18 : **Vivekanand House**
Best House of The Month July'18 : **Radhakrishnan House**
Best House of The Month August'18 : **Radhakrishnan House**

Achievements

100% Attendance for Session 2017-19 in May' 2018

Name	Roll No.
Vikas Kumar	811
Shambhu Yadav	849
Praveen Prasad Yadav	855
Zeba Khatoon	860
Suman Kumari	864
Krishna Kumar Yadav	871
Chhoti Kumari	872
Sarita Raj	886
Nisha Kumari	888
Saima Jafery	891

100% Attendance for Session 2017-19 in June' 2018

Name	Roll No.
Vikas Kumar	811
Shubha Kuamri	848
Shambhu Yadav	849
Ranju Kumari	851
Praveen Prasad Yadav	855
Priti Kumari	859
Priya Kumari	861
Shambhavi Kumari	867
Krishna Kumar Yadav	871
Chhoti Kumari	872
Sarita Raj	886
Nisha Kumari	888

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Achievements

100% Attendance for Session 2016-18 in July' 2018

Name	Roll No.
Dolly Rani	707
Anshu Kumari	710
Sandhya Kumari	713
Poonam Kumari	714
Sangeeta Kuamri	719
Umapati Mishra	757
Om Prakash Prajapati	764
Pooja Kumari	769

100% Attendance for Session 2016-18 in Aug' 2018

Name	Roll No.
Dolly Rani	707
Sandhya Kumari	713
Sangeeta Kumari	719
Saraswati Kumari	728
Monika Kumari	735
Rahul Kumar Yadav	746
Umapati Mishra	757

100% Attendance for Session 2017-19 in July' 2018

Name	Roll No.
Vikas Kumar	811
Chhoti Kumari	872
Sarita Raj	886

EDITORIAL BOARD

Book - Post

Chief Editor:
Dr. Sanjeeta Kumari

Editor
Prof. Mohit Kumar Tiwari

Student Editors
Pushpita Pandey
& Vikash Kumar

To

PRINTED AT: BHAGWATI PRESS, JHUMRITELAIYA, PH.# 06534-222453

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner